



















## मर्सिंडीज बैंज इस साल भारत में करेगी 200 करोड़ रुपए का निवेश, पेश करेगी 12 नए मॉडल

एंजेसी। नई दिल्ली



इलेक्ट्रिक वाहन (ईबी) समेत 12 से ज्यादा नए वाहन बाजार में

उतारेगी। इनमें से आधे मॉडल शीर्ष वाहन खंड (टीईबी) होंगे, जिनकी

कीमत 1.5 करोड़ रुपए से ज्यादा होगी।

मर्सिंडीज बैंज ईडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संतोष अच्युत ने कहा, यह साल विशेष है क्योंकि हम भारत में मर्सिंडीज बैंज के 30 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हम इसी में अपने कारखाने में 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ भारत में अपनी अबतक की सर्वाधिक 17,408 गाड़ी बिक्री का विकास करना चाहते हैं। इससे अब भारत में हमारा कुल निवेश

3,000 करोड़ रुपए हो जाएगा।

उत्तरोंने कहा कि एनवीएश विनिर्माण कार्यों, नए उत्पाद स्टार्टअप और विनिर्माण प्रक्रिया के डिजिटलीकरण की दिशा में होगे। अच्युत ने कहा कि पिछले साल कंपनी ने 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ भारत में अपनी अबतक की सर्वाधिक 17,408 गाड़ी बिक्री का विकास करना चाहता है। इससे प्रतिशत टीईबी होंगी। इनमें तीन नए इलेक्ट्रिक वाहन शामिल होंगे।

त्रिपुरा के धलाई में एनएलएफटी उग्रवादी ने बीएसएफ के सामने आत्मसमर्पण किया

अमरतत्वा। त्रिपुरा के धलाई जिले में प्रतिबंधित नेशनल लिबेरेशन प्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) के एक उग्रवादी ने सीमा सुधा बल (बीएसएफ) के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया।

उग्रवादी के बचान उत्तर मार्गिक जयातिया (37) के रूप में की गई है, जिसने गवाह को जिले के चाचमानु इलाके में बीएसएफ के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा, वह गोमती जिले के तुलसीगढ़ गांव का निवासी है। उसने विसा का गस्ता छोड़ने का फैसला किया और सामान्य जीवन जीने के लिए आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारी ने बताया कि वह पिछले साल सिंबर में एनएलएफटी (बीएफ) में शामिल हुआ था। उन्होंने बताया कि बेंद्री एंजेसी और अर्य अधिकारियों के प्रयासों के कारण एनएलएफटी के कई कैडर ने हिसा का गस्ता छोड़ दिया है। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने के बाद उग्रवादी के पूछला क्या ज्ञानी होंगी। इनमें तीन कार लाइन बिक्री के बाद उग्रवादी के कई कैडर ने हिसा का गस्ता छोड़ दिया है। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने के बाद उग्रवादी के पूछला क्या ज्ञानी होंगी।

## छोटे किसानों को मुसीबतों से निकालने के लिए निरंतर काम कर रही सरकार: मोदी

एंजेसी। नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नेट्रो मोदी ने सोमवार

को कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार छोटे

किसानों को मुसीबतों से बाहर

निकालने के लिए निरंतर काम कर रही

है और कुल में सहकारिता को बढ़ावा

देना इसी सोच का परिणाम है जबकि

पूर्व की सरकारों में किसान के

सशक्तीकरण की चर्चा सिर्फ पैदावार

व उसकी उपज की बिक्री के इदं-पिर्द

ही सीमित रही।

विप्रवासी भारत संकल्प यात्रा के

लाभ से छुट्टी नहीं चाहते।

उन्होंने कहा, कई बार शिकारका

की कमी से या दूसरे कारणों से कुछ

लोग सरकारी योजनाओं के लाभ से

वंचित रह जाते हैं। ऐसे लोगों तक

पहुंचना हमारी सरकार अपना दायित्व

समझती है। आज देश में ही नवीं

बल्कि दुनिया में भी मोदी की गांधी

की बहुत चर्चा हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, पहले की

सरकारों में देश में कृषि नीति का

दायरा चारहे गांव, गरीब,

दलित, पिछड़ी और अदिवासी समाज के

लोगों के लिए जांच हुई है।

पिछले दिनों न्यूट्रिटम

उत्तर के दौरान एक करोड़ लोगों की बीबी की बीमारी की भी जांच हुई है।

उन्होंने कहा कि 22 लाख लोगों की

सिक्कल सेल एनीमिया की जांच

हुई है और एसे लोग गांव, गरीब,

दलित, पिछड़ी और अदिवासी समाज के

लोगों के लिए जांच हुई है।

विप्रवासी भारत संकल्प यात्रा के

लाभार्थियों के साथ वंचित रहते हैं।

उन्होंने कहा कि इनकी जांच

की जांच हुई है। इसकी जांच

क





